

**मोरशिखा स्त्री.** (तद्.+तत्.) एक प्रकार की वह जड़ी जिसकी पत्तियाँ मोर की कलगी के आकार की होती हैं तथा प्रायः पुरानी दीवारों या खंडहरों पर उगती हैं।

**मोरा पुं.** (देश.) 1. 'अकीक' रत्न का भेद *सर्व. वि.* मेरा।

**मोरि सर्व.** (देश.) मेरी जैसे-मोरि सुधारहु सो सब भाँती।

**मोरना स.क्रि.** (देश.) 1. रस पेरने के लिए ऊख या गन्ने को कोल्हू में दबाना या लगाना 2. किसी वस्तु को घुमाना या किसी वस्तु को टेढ़ा करने की क्रिया या भाव, मोड़ना।

**मोरिया स्त्री.** (देश.) कोल्हू में बाँस की बनी कातर की दूसरी शाखा।

**मोरी स्त्री.** (देश.) 1. किसी वस्तु के निकलने का संकरा या तंग द्वार 2. प्रदूषित जल या वर्षा का पानी निकलने के लिए बनी छोटी नली, पनाली **मुहा.** मोरी में जाना- व्यर्थ जाना 2. *सर्व. वि.* (देश.) मेरी 3. *स.क्रि.* मोड़ी (किसी चीज को) घुमा दी जैसे- गाड़ी मोड़ी।

**मोर्चा पुं.** (फा.) 1. लोहे पर नमी आदि के कारण लगने वाली मैल की परत जिससे लोहा खराब और कमजोर हो जाता है, जंग 2. दर्पण या शीशे के ऊपर जमने वाली मैल 3. किले की रक्षा के लिए उसके चारों ओर खोदी जानेवाली खाई 4. वह स्थान जहाँ से सेना, गढ़, नगर आदि की रक्षा की जाती है **मुहा.** मोर्चा जीतना- शत्रु को परास्त करके उसके मोर्चे पर अधिकार कर लेना, मोर्चा लेना-सामने आकर शत्रु से बराबरी का युद्ध करना **ला.अर्थ.** ऐसी स्थिति जिसमें विरोधी या प्रतिद्वंद्वी का अच्छी तरह जमकर सामना किया जाता है और उस पर वार किए जाते हैं तथा उसके वारों के उत्तर दिए जाते हैं।

**मोल पुं.** (तद्.) कीमत, दाम, मूल्य **मुहा.** मोल करना- किसी वस्तु की अधिक कीमत बताए जाने पर उसे घटाने की बातचीत करना, मोल

लेना-किसी कार्य आदि का दायित्व अपने ऊपर लेना।

**मोलना स.क्रि.** (तद्.) मोल लेना, खरीदना *अ.क्रि.* (देश.) टूट जाना जैसे- चूड़ी मोल गई तो उसके काँच को कूड़ेदान में फेंक दो।

**मोलवी पुं.** (अर.) इस्लाम धर्म का आचार्य दे. मौलवी।

**मोलाई स्त्री.** (देश.) 1. मूल्य पूछने-ताछने की क्रिया या भाव 2. उचित से अधिक मूल्य कहना, मोल-भाव करना 3. घटा-बढ़ाकर मूल्य ठीक करने की क्रिया या भाव।

**मोवना स.क्रि.** (देश.) 1. मोना 2. तर करना, भिगोना।

**मोशिए पुं.** (फ्रा.) फ्रांस के नाम के पहले लगाया जाने वाला आदरसूचक शब्द, महोदय।

**मोष पुं.** (तत्.) 1. चोरी 2. लूट-खसोट 3. दंड, सजा 4. वध, हत्या।

**मोषक पुं.** (तत्.) चोर।

**मोषण पुं.** (तत्.) 1. लूटना, चुराना 2. छोड़ना 3. मार डालना *वि.* चोरी करने या डाका डालने वाला।

**मोषयिता पुं.** (तत्.) 1. चोरी कराने वाला 2. लूट-पाट करने वाला।

**मोसन पुं.** (फा.) 1. अनुभवी व्यक्ति 2. वयोवृद्ध।

**मोसर अव्य.** (देश.) दफा, बार उदा. अबके मोसर ज्ञान विचारो-मीरा।

**मोह पुं.** (तत्.) 1. अज्ञानी, नासमझी 2. भ्रम, भ्रांति 3. भूल, गलती 4. संताप, पीड़ा, कष्ट, दुःख 5. मूर्च्छा, बेहोशी 6. अपने शरीर, सांसारिक संबंधियों, धन-संपत्ति आदि में आसक्ति या ममता 7. विवेक रहित प्रेम 8. साहित्य में तैत्तिरीय संचारी भावों में से एक जिसमें आघात आपत्ति, चिंता, दुःख भय आदि के कारण चित्त बहुत ही विकल हो जाता है उदा. अदभुत, दरसन, वेग, भय, अतिचिंता, अतिकोह, जहाँ मूर्च्छा, बिसमरन लम्भत्तादि कहें मोह-देव 9. प्राचीन भारत में एक प्रकार की तांत्रिक क्रिया